सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या– 262
19/03/2026

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान मुंगेर जिले को दी 119 करोड़ रुपये की सौगात, 78 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

- मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

पटना, 19 मार्च 2026 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में मुंगेर में नवनिर्मित जिला उद्योग केंद्र के कार्यालय भवन का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित जिला उद्योग केंद्र के कार्यालय भवन का निरीक्षण कर जनसुनवाई कक्ष, आगंतुक कक्ष, परियोजना प्रबंधक कक्ष आदि में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का जायजा लिया। जिला उद्योग केंद्र, मुंगेर के परिसर में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभुकों को 60 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मुंगेर में कष्टहरणी घाट पर कराए गए सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा तट पर अवस्थित इस कष्टहरणी घाट के आसपास के क्षेत्रों को भी विकसित कराएं ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अनुष्ठान एवं स्नान करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

ज्ञातव्य है कि कष्टहरणी घाट बिहार के मुंगेर जिला में गंगा नदी के किनारे स्थित एक अत्यंत प्राचीन और धार्मिक स्थल है। मान्यताओं के अनुसार, यहीं स्नान करने से शारीरिक और मानसिक कष्ट दूर होते हैं। रामायण काल में, ताड़का वध के बाद भगवान राम और लक्ष्मण ने यहाँ गंगा स्नान कर नारी हत्या के पाप से मुक्ति पाई थी। यह उत्तरवाहिनी गंगा तट, दानवीर कर्ण से भी जुड़ा है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, जब भगवान श्रीराम और लक्ष्मण महर्षि वशिष्ठ के साथ आश्रम जा रहे थे, तब उन्होंने राक्षसी ताड़का का वध किया था। इसके बाद, उन्होंने मुंगेर में इसी स्थान पर विश्राम और स्नान किया, जिसे आज कष्टहरणी घाट कहा जाता है। मुंगेर में गंगा नदी उत्तर दिशा की ओर (उत्तर–वाहिनी) बहती है, जिसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, अंग प्रदेश के राजा कर्ण भी रोजाना यहां गंगा स्नान करने आते थे और मां चंडिका की पूजा करते थे। यह घाट अपने शानदार सूर्यास्त और सूर्योदय के दृश्यों के लिए भी जाना जाता है, यह भक्तों के लिए एक स्वर्ग के समान है।

मुख्यमंत्री ने मुंगेर के भगत सिंह चौक के समीप डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग अंतर्गत मुंगेर पशु औषधालय कैम्पस में जिला स्तरीय संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के क्रम में मुख्यमंत्री